



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 462]	नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 13, 2019/अग्रहायण 22, 1941
No. 462]	NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 13, 2019/AGRAHAYANA 22, 1941

## भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् के अधिक्रमण में शासी बोर्ड

### अधिसूचना

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर, 2019

**सं. भा.आ.प.-18(1) /2019/मेडि/171700.**—भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 33 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए, भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् के अधिक्रमण में शासी बोर्ड "स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा विनियमावली, 2000" में पुनः संशोधन करने के लिए केंद्र सरकार की पूर्व स्वीकृति से एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाती है, नामतः :-

1. (i) ये विनियम "स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा (संशोधन) विनियमावली, 2019" कहे जाएंगे।

(ii) ये सरकारी राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. "स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा विनियमावली, 2000" में, खंड 13, "प्रशिक्षण कार्यक्रम" शीर्षक के तहत उप-खंड 13.10 निम्नानुसार जोड़ा जाएगा:

### 13.10 अनुसंधान विधियों में ऑनलाइन पाठ्यक्रम

(i) सभी स्नातकोत्तर छात्रों को भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् द्वारा सार्वजनिक नोटिस के माध्यम से, वेबसाइट सहित और सभी मेडिकल कॉलेजों को परिपत्र जारी करके प्राधिकृत किए गए संस्थान (संस्थानों) द्वारा आयोजित किए जाने वाले अनुसंधान विधियों में एक ऑनलाइन पाठ्यक्रम पूरा करना होगा। छात्रों को सार्वजनिक नोटिस में सूचित किए गए नामित संस्थान या किसी अन्य संस्थान के पोर्टल पर पंजीकरण करना होगा।

(ii) छात्रों को अपने दूसरे सेमेस्टर के अंत तक पाठ्यक्रम पूरा करना होगा।

(iii) पाठ्यक्रम के सफल समापन एवं परीक्षा के उपरान्त जारी किया गया ऑनलाइन प्रमाण पत्र, इस पाठ्यक्रम के पूरा होने के प्रमाण के रूप में लिया जाएगा।

(iv) संबंधित स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की अंतिम परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार को अनुमति देने से पूर्व ऑनलाइन अनुसंधान विधियों में सफलता पूर्वक पाठ्यक्रम के पूरा होने का प्रमाण आवश्यक होगा।

(v) यह आवश्यकता शैक्षणिक वर्ष 2019-20 के बाद प्रवेशित सभी स्नातकोत्तर छात्रों के लिए लागू होगी।

डॉ. राकेश कुमार वत्स, महासचिव

[विज्ञापन-III/4/असा./349/19]

**पाद टिप्पणी:** प्रधान विनियमावली नामतः “स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा विनियमावली, 2000” दिनांक 7 अक्टूबर, 2000 को भारत के राजपत्र के भाग III, खंड 4 में प्रकाशित की गई थी और इसे भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् की दिनांक 03/03/2001, 06/10/2001, 16/03/2005, 23/03/2006, 20/10/2008, 25/03/2009, 21/07/2009, 17/11/2009, 09/12/2009, 16/04/2010, 08/12/2010, 27/12/2010 09/02/2012, 27/02/2012, 28/03/2012, 17/04/2013, 01/02/2016, 17/06/2016, 08/08/2016, 31/01/2017, 11/03/2017, 06/05/2017, 27/06/2017 31/07/2017, 20/02/2018, 05/04/2018, 28/01/2019, 08/03/2019, 13/03/2019, 01/04/2019 और 05/04/2019 की अधिसूचनाओं के अंतर्गत संशोधित किया गया था।

## BOARD OF GOVERNORS IN SUPER-SESSION OF

### MEDICAL COUNCIL OF INDIA

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 11th December, 2019

**No. MCI-18(1)/2019-Med./171700.—** In exercise of powers conferred by Section 33 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Board of Governors in Super-session of Medical Council of India with the previous sanction of the Central Government hereby makes the following regulations to further amend the “Postgraduate Medical Education Regulations, 2000” namely:-

1. (i) These Regulations may be called the “Postgraduate Medical Education (Amendment) Regulations, 2019.”
- (ii) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the “Postgraduate Medical Education Regulations, 2000”, In Clause 13, under the heading of “Training Programme”, sub-clause 13.10 shall be added as under:

#### 13.10. Online Course in Research Methods

- (i) All postgraduate students shall complete an online course in Research Methods to be conducted by an Institute (s) that may be designated by the Medical Council of India by way of public notice, including on its website and by Circular to all Medical Colleges. The students shall have to register on the portal of the designated institution or any other institute as indicated in the public notice.
- (ii) The students have to complete the course by the end of their 2nd semester.
- (iii) The online certificate generated on successful completion of the course and examination thereafter, will be taken as proof of completion of this course.

(iv) The successful completion of the online research methods course with proof of its completion shall be essential before the candidate is allowed to appear for the final examination of the respective postgraduate course.

(v) This requirement will be applicable for all postgraduate students admitted from the academic year 2019-20 onwards.

Dr. RAKESH KUMAR VATS, Secy. General

[ADVT.-III/4/Exty./349/19]

**Footnote:** The Principal Regulations namely, "Postgraduate Medical Education Regulations, 2000" were published in Part III, Section 4 of the Gazette of India on 7th Oct., 2000 and amended vide Medical Council of India Notification dated 03/03/2001; 06/10/2001; 16/03/2005; 23/03/2006; 20/10/2008; 25/03/2009; 21/07/2009; 17/11/2009; 09/12/2009; 16/04/2010; 08/12/2010; 27/12/2010; 09/02/2012; 27/02/2012; 28/03/2012; 17/04/2013; 01/02/2016; 17/06/2016; 08/08/2016; 31/01/2017; 11/03/2017; 06/05/2017; 27/06/2017; 31/07/2017; 20/02/2018; 05/04/2018; 28/01/2019; 08/03/2019; 15/03/2019 & 05/04/2019